कृषि विज्ञान केन्द्र, बरेली तथा कृषि विभाग, बरेली द्वारा आत्मा योजना के अन्तर्गत "मिशन शक्ति" कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, भाकृअनुप–भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली ने कृषि विभाग, बरेली के सहयोग से आत्मा योजना के अन्तर्गत "मिशन शक्ति" कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र ने कहा की पिछले काफी समय से ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न विभागों और बैंकों द्वारा समूह बनाये जा रहे हैं परन्तु जिस उद्देश्य से ये समूह बनाये जा रहे हैं उसमें अभी तक सफलता नहीं मिल सकी है क्योंकि इन समूहों को बनाने के बाद सदस्य इनके माध्यम से लोन लेकर अलग–अलग अपने कार्य करते रहते हैं उनमें समूहिक रूप से कार्य करने की पृवृत्ति का अभाव है।

इस क्रम में उन्होने आगे बताया कि समूह को कृषि विज्ञान केन्द्र से ग्रामीण क्षेत्र में किए जाने वाले किसी व्यवसाय का प्रशिक्षण लेकर पूरी कार्ययोजना बनाकर, बैंकों से ऋण लेकर सामूहिक रूप से कार्य करना चाहिये। साथ ही समूह के विभिन्न सदस्यों को उनकी रुचि और क्षमता के अनुसार अलग–अलग जिम्मेदारी उठानी चाहिये जैसे जो सदस्य लिखा–पढ़ी में प्रवीण है

उसे समूह का लेख-जोखा रखना चाहिये, बाहरी लोगों से बातचीत में प्रवीण महिला को विभिन्न विभागों, बैंको से योजनाओं की जानकारी जुटाने, पूँजी का प्रबन्ध करने उत्पाद की सेल्स में प्रवीण सदस्य को सेल्स की व्यवस्था और अन्य सदस्यों को उत्पादन कार्य करना चाहिये तथा आवश्यकता पड़ने पर इन सदस्यों को इन क्षेत्रों में प्रशिक्षण भी प्राप्त करना चाहिये। इसके अतिरिक्त उन्होंने कृषक उत्पादक संगठन के गठन की प्रक्रिया तथा इससे होने वाले लाभों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। डॉ॰ रंजना गुप्ता, गृह विज्ञान इकाई ने महिलाओं को अपने गाँव या घर पर ही रहकर सामूहिक रूप से किए जाने वाले कार्यों जैसे फल-सब्जी परिरक्षण, मूल्य संवर्धन, मोमबत्ती, दिये, सर्फ, हैंडवाश, सिलाई-कढ़ाई, जरी-जरदोजी आदि विभिन्न कार्यों को करके समूह की आय बढ़ाने की सलाह दी।

उन्होंने अवगत कराया की इन सभी कार्यों के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र, बरेली से प्रशिक्षण प्राप्त करके तथा बैंकों से आर्थिक सहायता प्राप्त करके समूह की आय बढ़ाई जा सकती है। श्री राकेश पाण्डे, विषय वस्तु विशेषज्ञ ने कृषकों द्वारा असंसाधित कृषि उत्पाद बेचने के स्थान पर समूहों के माध्यम से प्रोसेसिंग करके कृषि उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाने की सलाह दी जिससे मध्यस्थों द्वारा कृषकों के शोषण को कम किया जा सके। इसके लिए मिनी दाल मिल, मिनी आटा मिल मिनी चावल मिल, मिनी तेल मिल, मूँगफली छीलने की मशीन आदि बाजार में उपलब्ध हैं और इनको समूहों के द्वारा सरकारी अनुदान पर बैंकों से ऋण लेकर खरीदा जा सकता है। डॉ॰ अजय से चौधरी, प्रभारी, कृषि ज्ञान केन्द्र, बरेली ने औद्यानिक फसलों के उत्पाद की बाजार में अधिकता के समय उनके परिरक्षण तथा कमी के समय या बेमौसम में विक्रय कर समूहों द्वारा अपनी आय बढ़ाने की सलाह दी। श्री अशोक कुमार यादव, उप कृषि निदेशक, बरेली ने उपस्थित महिलाओं को केन्द्र तथा राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी तथा उनसे इनका लाभ उठाने का अहवाहन किया। उन्होंने उपस्थित महिलाओं को जनपद का पहला महिला कृषक उत्पादक संगठन बनाने के लिए भी प्रेरित किया। कार्यक्रम में श्री विनोद यादव, भूमि संरक्षण अधिकारी तथा श्रीमती अर्चना वर्मा, पादप सुरक्षा अधिकारी ने भी अपने विभागों की योजनाओं तथा महिला सशक्तिकरण के सम्बन्ध में अपने विचार रक्खे। इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण विषय पर एक फिल्म तथा महिला समूहों को प्रेरित करने के लिए

एक प्रेजेंटेशन भी किया गया। यह कार्यक्रम दो सत्र में आयोजित किया गया जिसमें पहले सत्र में नवाबगंज, भुता, बहेड़ी, रामनगर एवं मीरगंज विकास खण्डों की 112 तथा दूसरे सत्र में भोजीपुरा, फरीदपुर, क्यारा, फतेहगंज पश्चिमी एवं अलामपुर-जाफराबाद विकास खण्डों की 127, कुल 239 महिलाओं ने भागीदारी की।